वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 40 | बुधवार 4 जून 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्य सचिव ने की 'राइजिंग राजस्थान' 2024 के दौरान एमओयू क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक

मुख्य सचिव ने राजस्थान की व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए अनुपालन में कमी और विनियमन शिथिलीकरण अभ्यास की प्रगति की भी समीक्षा की

पंत ने पर्यटन विभाग को निर्देश दिया कि वह उदयपुर, जैसलमेर, पुष्कर (अजमेर) आदि प्रमुख जिलों में सरकारी भूमि की नीलामी एवं आवंटन हेतु उपयुक्त प्रावधान तैयार करें।

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के दौरान हस्ताक्षरित एमओयू के क्रियान्वयन की प्रगति की द्वि-साप्ताहिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने तीव्र भूमि आवंटन की प्रक्रिया को एमओयू क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने जिलों में भूमि बैंकों के निर्माण प्रक्रिया को तेज करें। पंत ने पर्यटन विभाग को निर्देश दिया कि वह उदयपुर, जैसलमेर, पुष्कर (अजमेर) आदि प्रमुख जिलों में सरकारी भूमि की नीलामी एवं आवंटन हेतु उपयुक्त प्रावधान तैयार करें। उन्होंने कहा कि भूमि की उपलब्धता के साथ-साथ विभागों को एमओयू के शीघ्र क्रियान्वयन को प्रोत्साहित करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में नियामक ढांचे को सरल बनाने की दिशा में भी कार्य करना चाहिए। एमओयू क्रियान्वयन पर द्वि-साप्ताहिक समीक्षा बैठक के अतिरिक्त, पंत ने भारत सरकार द्वारा निर्देशित अनुपालन में कमी और विनियमन शिथिलीकरण अभ्यास की प्रगति की समीक्षा बैठक की भी अध्यक्षता की। विभागीय सचिवों ने पंत को केंद्रीय मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा निर्धारित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु उठाए गए प्रमुख कदमों से

अवगत कराया। मुख्य सचिव ने राजस्थान कारखाना एवं बॉयलर विभाग, श्रम विभाग, रीको, बीआईपी, राजस्व विभाग, शहरी विकास एवं आवास विभाग (यूडीएच), राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (आरएसपीसीबी) सहित विभिन्न विभागों द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा की। जिन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर कार्य किया जा रहा है, उनमें उद्योगों के लिए जीआईएस-आधारित भूमि बैंक का विकास, भवन विनियमों में संशोधन, सिंगल विंडो अप्रूवल प्रणाली, लघु अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना, कुछ वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को डी-लाइसेंस करना, महिलाओं को रात्रि शिफ्ट में और कुछ खतरनाक उद्योगों में कार्य की अनुमति देना आदि शामिल हैं। मुख्य सचिव ने यह भी निर्देश दिया कि राज्य सरकार के विशिष्ट व्यापारिक सुधारों को भारत सरकार के ऑनलाइन पोर्टल पर ''बेस्ट प्रैक्टिस'' के रूप में अपलोड किया जाए और अन्य राज्यों द्वारा अपनाए गए सुधारों से भी सीख ली जाए। यह उल्लेखनीय है कि 9 से 11 दिसंबर 2024 को आयोजित निवेश सम्मेलन के दौरान सरकार ने ₹35 लाख करोड़ के रिकॉर्ड निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए थे। मार्च में आयोजित **'IMPACT 1.0'** कार्यक्रम में सरकार ने घोषणा की थी कि सम्मेलन के तीन माह के भीतर ही ₹3.08 लाख करोड़ के एमओयू धरातल पर उतारे जा चुके हैं। इस बैठक में उपस्थित अधिकारियों में लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा, राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार, स्थानीय स्वशासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़, खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत, खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार, विधि एवं कानूनी मामले विभाग के प्रमुख शासन सचिव ब्रजेन्द्र कुमार जैन, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त रोहित गुप्ता तथा राजस्थान सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मानसून से पहले नगर निगम हेरिटेज अलर्ट मोड पर

मेयर बोलीं-जरूरत पर फिर हो नालों की सफाई, आपदा प्रबंधन को ठोस प्लानिंग के निर्देश

जयपुर. कासं

मानसून से पहले नगर निगम हेरिटेज अलर्ट मोड पर आ गया है। मंगलवार को मेयर कुसुम यादव की अध्यक्षता में मानसून की तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें न सिर्फ मानसून से पहले नाला सफाई और शहर की सफाई व्यवस्था पर चर्चा की गई। बल्कि, बारिश के दौरान मानसून के पानी को संरक्षित करने पर भी मंथन हुआ। मेयर कुसुम यादव ने मानसून से पहले ही आपदा प्रबंधन को ठोस प्लानिंग करने के निर्देश दिए। यादव ने कहा कि जयपुर शहर में भारी बारिश होने पर सड़कों पर जल भराव हो जाता है। इसके साथ ही निचली बस्तियों में घरों में पानी भर जाता है।

नालों की सफाई पर जोर, ठोस प्लानिंग के निर्देश

ऐसे में बारिश से जल भराव नहीं हो और आमजन परेशान नहीं हो, इसके लिए ठोस प्लानिंग की जाए। मेयर ने नालों की सफाई पर विशेष जोर देते हुए कहा कि बड़े नालों की सिर्फ एक बार हो सफाई नहीं जाएं। बल्कि, नालों की लगातार मॉनिटरिंग और समय-समय पर सफाई की जाए। जिससे कि नालों में कचरा जमा नहीं हो पाए। इस दौरान हेरिटेज निगम के समिति चेयरमैन सफाई समिति चेयरमैन पवन नटराज और लोक वाहन समिति के चेयरमैन रजत विश्नोई भी मौजूद रहे। मेयर ने कहा कि मानसून से पहले निगम को तैयारियों की समीक्षा की जाए। इसके लिए निगम के चेयरमैन और निगम अधिकारी समन्वय के साथ काम करे। फील्ड में जाकर सभी कामों का जायजा ले। उन्होंने बताया कि बाढ़ और आपदा नियंत्रण कक्ष में भी निगम कर्मी 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहें। वहीं सड़क पर कचरा नहीं रहे। इसके लिए सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बनाए जाएं वाटर हार्वेस्टिंग:

मेयर ने बताया कि शहर में कुछ स्थानों पर थोड़ी ही बारिश में जलभराव हो जाता है। ऐसे में वहां पर मढ़ पंप लगाए जाए, वहीं पार्कों के पास जलभराव होने पर वाटर रिचार्ज करने के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाएं जाएं। इस दौरान निगम आयुक्त अरुण हसीजा ने सभी निगम अधिकारियों को फील्ड में रहने और कार्यों की समीक्षा करने के निर्देश दिए।

आयुर्वेदिक चाय

डा पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेद विशेषज्ञ राजकीय आयुर्वेद औषधालय शासन सचिवालय जयपुर।
9828011871

स्वास्थ्य विशेषज्ञों की माने तो चाय का सर्वप्रथम उपयोग एक औषधि के तौर पर किया गया था। जड़ी-बूटियों के जानकार समय-समय पर तमाम रोगों के इलाज के लिए चाय की ताजा पत्तियों और इसके बीजों को औषधि के तौर पर इस्तेमाल करते गए। जैसे-जैसे समय बीता, चाय हमारी जिंदगी का हिस्सा और दिन के शुरूआत में पहले पेय के रूप में हमारे परिवारों के बीच प्रचलित हो गई। खाद्य और पेय पदार्थों को औषधीय गुणों के आधार पर अपने दैनिक जीवन संतुलित मात्रा में लेने से कई रोगों से दूर-दूर तक आपका पाला नहीं पड़ता है। संतुलित मात्रा में चाय का सेवन अनेक रोगों को आपके नजदीक भटकने भी नहीं देता। चलिए आज जानते हैं औषधीय गुणों से भरपूर चाय की चुस्कियों के बारे में...

1. गौतीचाय:

बुंदेलखंड में ग्रामीण लोग इस तरह की चाय बनाते हैं। हल्की सी नींबू की सुगंध लिए इस चाय की चुस्की गजब की ताजगी ले आती है। लेमन ग्रास की तीन पत्तियों को हथेली पर कुचलकर दो कप पानी में डाल दिया जाता है और उबाला जाता है। स्वादानुसार शक्कर डालकर इसे तब तक उबाला जाता है जब तक कि यह एक कप बचे। जो लोग अदरक का स्वाद पसंद करते हैं, वे एक चुटकी अदरक कुचलकर इसमें डाल सकते हैं। इस चाय में भी दूध का उपयोग नहीं होता है। गौती चाय में कमाल के एंटीओक्सीडेंट गुण होते हैं, और शरीर के अंदर किसी भी प्रकार के संक्रमण को नियंत्रित करने में गौती चाय काफी असरकारक होती है।

2. कालीचाय :

जबरदस्त मिठास लिए ये चाय बगैर दूध की होती है। इस चाय को तैयार करने के लिए 2 कप पानी में एक चम्मच चाय की पत्ती और 3 चम्मच शक्कर को डालकर उबाला जाता है। जब चाय लगभग एक कप शेष रह जाती है, इसे उतारकर छान लिया जाता है और परोसा जाता है। हर्बल जानकारों के अनुसार मीठी चाय दिमाग को शांत करने में काफी सक्रिय भूमिका निभाती है यानि यह तनाव कम करने में मदद करती है।

3. धनिया चाय :

राजस्थान के काफी हिस्सों में धनिया की चाय स्वास्थ्य सुधार के हिसाब से दी जाती है। लगभग 2 कप पानी में जीरा, धनिया, चायपत्ती और कुछ मात्रा में सौंफ डालकर करीब 2 मिनिट तक खौलाया जाता है, आवश्यकतानुसार शक्कर और अदरख डाल दिया जाता है। कई बार शक्कर की जगह शहद डालकर इसे और भी स्वादिष्ट बनाया जाता है। गले की समस्याओं, अपचन और गैस से त्रस्त लोगों को इस चाय का सेवन कराया जाता है।

4. अनंतमूली चाय :

पातालकोट में सर्द दिनों में अक्सर आदिवासी अनंतमूली चाय पीते हैं। अनंतमूल स्वभाव से गर्म प्रकृति का पौधा होता है, इसकी जड़ें निकालकर लगभग 1 ग्राम साफ जड़ पानी में खौलाई जाती है। इसी पानी में थोड़ी सी चाय की पत्तियों को भी डाल दिया जाता है। दमा और सांस की बीमारी से ग्रस्त रोगियों को इसे दिया जाता है।

5. खट्टी गौती चाय :

मध्यभारत के गोंडवाना क्षेत्र में गौती चाय बनाते समय इसी चाय में संतरे या नींबू के छिलके डाल दिए जाते हैं और कुछ मात्रा नींबू रस की भी डाल दी जाती है और फि र परोसी जाती है खट्टी गौती चाय। सदियों पुराने इस एंटी एजिंग फामुर्ले को आदिवासी अपनाते रहें हैं और अब आधुनिक विज्ञान इस पर ठप्पा लगाना शुरू कर रहा है। नई शोध बताती हैं कि हरी चाय और नींबू का मिश्रण उम्र के पड़ाव की प्रक्रिया को धीमा कर देता है, यानि आप इस चाय का प्रतिदिन सेवन करें तो अपने यौवन को लंबा खींच सकते हैं।

6. मुलेठी चाय :

गुजरात के सौराष्ट्र में जेठीमद चाय के नाम मशहूर इस चाय को मध्यभारत में मुलेठी चाय के नाम से जाना जाता है। साधारण चाय तैयार करते समय चुटकी भर मात्रा मुलेठी की डाल दी जाए तो चाय में एक नई तरह की खुश्बु का संचार होता है और चाय स्वादिष्ट भी लगती है। दमा और सर्दी खांसी से परेशान लोगों को इस चाय को प्रतिदिन दिन में दो से तीन बार लेना चाहिए।

7. बस्तर की सैदी या मीठी चाय :

शहद होने की वजह से इस चाय को शहदी चाय या सैदी चाय कहा जाता है। बस्तर के दुरस्थ गांवों में अक्सर इस चाय को तैयार किया जाता है। साधारण चाय पत्ती (2 चम्मच) के साथ कुछ मात्रा में शहद (लगभग 2 चम्मच) और दूध (2 चम्मच) डालकर फेंटा जाता है। दूसरी तरफ एक बर्तन में 2 कप पानी को उबाला जाता है। पानी जब उबलने लगे, इसमें इस फेंटे हुए मिश्रण को डाल दिया जाता है। यदि आवश्यकता हो तो थोड़ी सी मात्रा अदरक की डाल दी जाती है और तैयार हो जाती है सैदी चाय। माना जाता है कि यह चाय शरीर में गजब की स्फूर्ति लाती है। शहद, अदरक और चाय के अपने अपने औषधीय गुण है और जब इनका संगम होता है तो ये गजब का टॉनिक बन जाते हैं।

8. मसाला चाय:

गुजरात में काली मिर्च, सौंठ, तुलसी, दालचीनी, छोटी इलायची, बड़ी इलायची, लौंग, पीपलामूल, जायफल, जायपत्री और लौंग मिलाकर एक मसाला तैयार किया जाता है। चाय पत्ती और दूध के उबलते पानी में चुटकी भर मसाला डाल दिया जाता है। स्वादिष्ठ मसाला चाय जब आपको परोसी जाती है, ना सिर्फ ये गजब का स्वाद लिए होती है बल्कि शरीर ताजगी से भरपूर हो जाता है।

9. सहजन की चाय:

राजस्थानियों के अनुसार सहजन का फूल पेट और कफ रोगों में, इसकी फली वात व उदरशूल में, पत्ती नेत्ररोग, मोच, साइटिका, गठिया आदि में उपयोगी है। इसकी छाल का सेवन साइटिका, गठिया, लीवर में लाभकारी होता है। सहजन के छाल में शहद मिलाकर पीने से वात और कफ रोग खत्म हो जाते हैं। इसकी पत्ती का काढ़ा बनाकर पीने से गठिया, साइटिका, मधुमेह, पक्षाघात, वायु विकार में शीघ्र लाभ पहुंचता है। साइटिका के तीव्र वेग में इसकी जड़ का काढ़ा तीव्र गति से चमत्कारी प्रभाव दिखता है।

काढ़ा पीने से क्या-क्या हैं फायदे

कैंसर और पेट आदि के दौरान शरीर के बनी गांठ , फोड़ा आदि में सहजन की जड़ का अजवाइन , हींग और सौंठ के साथ काढ़ा बनाकर पीने का प्रचलन है यह भी पाया गया है कि यह काढ़ा साइटिका (पैरों में दर्द) , जोड़ों में दर्द, लकवा, दमा,सूजन, पथरी आदि में लाभकारी है। सहजन के गोंद को जोड़ों के दर्द और शहद को दमा आदि रोगों में लाभदायक माना जाता है। आज भी ग्रामीणों की ऐसी मान्यता है कि सहजन के प्रयोग से वायरस से होने वाले रोग, जैसे चेचक के होने का खतरा टल जाता है। शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। सहजन में हाई मात्रा में ओलिक एसिड होता है , जो कि एक प्रकार का मोनोसैच्युरेटेड फैट है और यह शरीर के लिए अति आवश्यक है। सहजन में विटामिन-सी की मात्रा बहुत होती है। यह शरीर के कई रोगों से लड़ता है। यदि सर्दी की वजह से नाक-कान बंद हो चुके हैं तो , आप सहजन को पानी में उबालकर उस पानी का भाप लें। इससे जकड़न कम होगी ।

Note: चाय पीना बहुत हानिकारक होता है इसे नही पीना चाहिए लेकिन फिर भी आप पीना चाहते है तो ये ऊपर बताएं गए उपाय कर सकते है और अगर चाय छोड़ दी है तो आप ऊपर बताये गए उपाय एक गिलास कुनकुने पानी मे डाल कर भी सेवन कर सकते है।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

हरिद्वार। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज की उत्तराखण्ड के बद्रिनाथ से हरिद्वार और हरिद्वार से दिल्ली तरुणसागरम अहिंसा संस्कार पदयात्रा चल रही है आज विहार दरम्यान उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि सुख, शांति, प्रेम और प्रसन्नता का अर्थ लड़ना झगड़ना नहीं है, बल्कि उन बुराइयों से कुशलता पूर्वक दूर हो जाना, जिन बातों से सुख, शान्ति, प्रेम, प्रसन्नता कम हो रही हो.. क्योंकि अभिमान की ताकत फरिश्तों को भी शैतान बना देती है। और सरलता, विनम्रता, प्रसन्नता साधारण व्यक्ति को भी फरिश्ता बना देती है। मैं मानता हूँ -- संसार में बुराईयाँ है। पर तुमने कभी सोचा कि बुराईयाँ क्यो है? दुनिया में बुराईयाँ इसलिये नहीं है कि बुरे आदमी ज्यादा बोलते हैं बल्कि इसलिये है कि भले आदमी समय पर चुप रह जाते हैं। आज हमने गलत को गलत कहने की हिम्मत खो दी है। यही कारण है कि बुराईयाँ हमारे सिर पर चढ़कर बोल रही है। हमें गलत को गलत कहने की हिम्मत बरकरार रखना है। जब तक हममें गलत को गलत कहने की हिम्मत होगी तब तक हमारा भविष्य सुरक्षित है। अन्यथा_। परन्तु कब किससे कहाँ कैसे कहना है, इसका विवेक होना चाहिए। अन्यथा आपकी सही बात, गलत वक्त पर बोलने से आप पर भारी पड़ सकती है। ईमानदार और साहसी लोगों से ही घर, परिवार और समाज का भला हो सकता है। सिर्फ ईमानदार और साहसी होना ही पर्याप्त नहीं है, साथ में हिम्मत भी चाहिए बोलने और सुनने की क्योंकि दिल के साफ और सच बोलने वाले इंसान, अक्सर अकेले मिलते हैं..यह जिन्दगी का कड़वा सच भी है...!!!

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

जेएसजी कैपिटल संगिनी फोरम का 11वां स्थापना दिवस आज 4 जून को सायंकाल होगा दुर्गापुरा जैन मंदिर में 48 दीपों से भव्य भक्तामर अनुष्ठान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप संगिनी फोरम कैपिटल द्वारा अपना 11वा स्थापना दिवस 4 जून बुधवार को सेवा कार्य से शुरू कर धार्मिक अनुष्ठान से समापन किया जायेगा। अध्यक्ष अलका जैन गोधा व सचिव सुनीता पटौदी ने बताया कि प्रातः 9 बजे जौहरी बाजार महिला समिति द्वारा संचालित आदिनाथ वृद्धा आश्रम के रहवासियों को फ्रूट्स, अल्पाहार आदि वितरित किए जाएंगे तथा मिक्सी ग्राइंडर, चद्दर आदि जरूरत की वस्तुएं भी भेट कर सेवा के साथ स्थापना दिवस की भव्य शुरूआत की जायेगी।

सायंकाल 7.30 बजे से होगा 48 दीपो से भक्तामर अनुष्ठान

संस्थापक अध्यक्ष विनीता जैन ने बताया कि धार्मिक कार्यक्रमों की कड़ी में स्थापना दिवस का समापन भव्य भक्तामर अनुष्ठान से किया जायेगा। संस्थापक सचिव एवं पूर्व अध्यक्ष समता गोदिका व हेमा सौगाणी के अनुसार दुर्गापुरा स्थित श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर में प्रसिद्ध गायक नरेंद्र जैन के द्वारा संगीत की स्वर लहरियों के साथ मंडल पर 48 दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। भक्तामर अनुष्ठान की शुरूआत संगिनी कैपिटल की सम्माननीय सदस्य श्रीमती गरिमा - अशोक जैन के द्वारा प्रथम दीप प्रज्वलित कर की जायेगी। पूर्व अध्यक्ष शकुंतला पांड्या तथा मीना चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम में जेएसजी नॉर्दन रीजन के पदाधिकारी, संगिनी सदस्यों के परिवारजनों के साथ साथ अनेक गणमान्य श्रावक श्राविका उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त करेंगे।

वेद ज्ञान

ईश्वर को देखा नहीं जा सकता

भौतिक विज्ञानवादी जिस शक्ति को प्रकृति मानते हैं, उसे अध्यात्मवादी ईश्वर कहते हैं। मतभेद ईश्वर के गुण, कर्म और स्वभाव के संबंध में है। ऐसे मतभेद तो प्रायः सभी समूहों में मिल जाते हैं, परंतु उन्हें अनीश्वरवादी नहीं कहा जाता। फिर भौतिक विज्ञानवादियों को नास्तिक कहना उचित न होगा। ईश्वर को हम इंद्रियों से अनुभव नहीं कर सकते तो भी यह कहना अनुचित होगा कि ईश्वर नहीं है। बहुत सी वस्तुओं को हम प्रत्यक्ष अनुभव नहीं करते तो भी अनुमान के आधार पर उनका अस्तित्व स्वीकार करना पड़ता है। यह बात हम इंद्रियों की सहायता से नहीं जान सकते, आंखों से भी नहीं देख सकते तो भी अनुमान यह कहता है कि उसको बनाने वाला अवश्य रहा होगा। ईश्वर को छुआ या देखा नहीं जाता तो भी उसकी कृतियां पुकार-पुकार कर साक्ष्य दे रही हैं कि हमारा रचयिता कोई न कोई अवश्य है। अपने स्वल्प ज्ञान के द्वारा बुद्धि और इंद्रियों की सहायता से हमें विश्व ब्रह्मांड का थोड़ा-बहुत परिचय प्राप्त होता है। समस्त सृष्टि इतनी विस्तीर्ण है कि बुद्धि की वहां तक पहुंच नहीं हो पाती। यह महान रचना किसी न किसी निर्माता की कृति है। बिना व्यवस्था के तो हमारे छोटे-छोटे काम भी नहीं चलते, फिर इतनी बड़ी सृष्टि का काम बिना किसी संचालन के किस प्रकार चल सकता है। सूर्य, चंद्र, पृथ्वी, ग्रह, नक्षत्र, इतने नियमबद्ध हैं कि कभी एक सेकेंड का भी फर्क नहीं पड़ता। दिन के बाद रात होने की श्रृंखला कभी टूट नहीं पाती। बचपन के बाद जवानी, फिर वृद्धावस्था आती है। उन मूल नियमों के समझने वाले तत्वज्ञानी विवेकवानों को समस्त सृष्टि में एक रंचमात्र भी अव्यवस्था दृष्टिगोचर नहीं होती। स्पष्ट है कि इस सुव्यवस्थापूर्वक संचालित सृष्टि को चलाने वाला कोई अवश्य होना चाहिए। मोटर, जहाज या रेल को बनाने वाला और चलाने वाला कोई विवेकवान मनुष्य होता है। उसी प्रकार इस सृष्टि को बनाने और चलाने वाली शक्ति भी ईश्वर है। आज विज्ञानवादियों को यह मानना पड़ रहा है कि जड़ तत्व ही सृष्टिकर्ता नहीं है वरन यह पंचभूत भी एक आद्यशक्ति की धाराएं हैं। वह आद्यशक्ति अंधी, जड़ नहीं, बल्कि विवेकवान, फलवान, व्यवस्था रखने वाली, संशोधन करने वाली और संतुलन को ठीक बनाए रखने वाली भी है।

संपादकीय

शौर्य और संसाधन!

दुनिया भर में दिनोंदिन सामरिक चुनौतियां बढ़ रही हैं। हथियारों को अधिक मारक, कारगर और रणनीतिक रूप से सक्षम बनाने की होड़ तेज हो रही है। इसलिए हथियारों का बाजार लगातार विस्तृत हो रहा है। बहुत सारे देश प्रतिरक्षा व्यय में बढ़ोतरी करते देखे जाते हैं। अब आमने-सामने के युद्ध का दौर लगभग समाप्त हो गया है। हवाई और लक्षित हमले से दुश्मन को पराजित करने की कोशिश की जाती है। फिर, अब कोई भी युद्ध केवल दो देशों का मामला नहीं रह गया है। इसमें बहुध्रुवीय रणनीति अपनाई जाने लगी है। ऐसे में भारत युद्ध की स्थितियों से निपट पाने में कितना सक्षम है, इसका आकलन स्वाभाविक है। पिछले दिनों पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर लक्षित हमले किए,

तो उसके नतीजों को केवल दुश्मन देश के मुकाबले अपने शौर्य प्रदर्शन तक सीमित करके नहीं देखा जा रहा। उसमें देश की सेना ने अपनी तैयारियों, कमियों और तकनीकी क्षमता का भी आकलन करना शुरू कर दिया है। इस संदर्भ में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने कहा कि युद्ध का मैदान अब कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग, एलएलएम और क्वांटम तकनीक से संचालित हो रहा है। हमें अपनी नीति, संगठनात्मक संस्कृति और मानव संसाधन को नए सांचे में ढालना होगा। हालांकि पिछले नौ-दस वर्षों में भारत ने अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को अत्याधुनिक बनाने पर विशेष ध्यान दिया है। वायुसेना को अत्याधुनिक बमवर्षक विमानों, उन्नत संचार प्रणाली युक्त, ध्वनि से कई गुना तेज गति की मिसाइलों आदि से सुसज्जित किया गया है। रक्षा अनुसंधान पर विशेष बल दिया गया है। स्वदेशी तकनीक से विश्वस्तरीय बमवर्षक विमान और पनडुब्बियां तैयार की जा रही हैं। इसके बावजूद भारतीय सेना दुनिया के अत्याधुनिक हथियारों के सामने खुद को पूरी तरह सक्षम नहीं महसूस कर पाती। कुछ दिनों पहले वायुसेना प्रमुख ने कहा था कि सेना से संबंधित परियोजनाएं समय पर पूरा नहीं हो पाती हैं। हालांकि सरकार का दावा है कि भारत जल्दी ही दुनिया के प्रमुख आयुध सामग्री आपूर्तिकर्ता देशों की कतार में शामिल होगा। अब बहुत सारे उपकरण और साजो-सामान स्वदेशी तकनीक से देश के भीतर ही तैयार कर लिए जाते हैं। हथियार के मामले में दूसरे देशों पर निर्भरता लगातार कम हो रही है। मगर, जब वायुसेना प्रमुख और रक्षा अध्यक्ष संगठनात्मक ढांचे और रक्षा उपकरणों के मामले में बदलाव की बात कर रहे हैं, तो निस्संदेह इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। भारत बेशक कभी युद्ध के पक्ष में नहीं रहता, हमेशा शांति और सौहार्द की नीति का हिमायती रहा है, मगर पाकिस्तान और चीन की तरफ से उसे लगातार जिस तरह की चुनौतियां मिलती रहती हैं, उसमें वह अपने पारंपरिक हथियारों के जखीरे पर भरोसा करके नहीं चल सकता। पाकिस्तान के साथ संघर्ष में चीन के पाकिस्तान के पीठ पीछे खड़ा हो जाने से कड़ी चुनौती महसूस की गई। इससे भारतीय सेना के लिए नए ढंग से रणनीतिक तैयारी की जरूरत रेखांकित हुई।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

दुर्दशाग्रस्त नगर निकाय

एक ऐसे समय जब भारत समेत पूरे विश्व में यह माना जा रहा है कि शहर विकास के इंजन हैं, तब यह तथ्य निराश करने वाला है कि हमारे शहरी निकाय केवल 32 प्रतिशत धन अपने संसाधनों से जुटा पा रहे हैं। यह निष्कर्ष नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की एक आडिट रिपोर्ट का है। कैग की रिपोर्ट यह भी कहती है कि नगर निकाय राजस्व के अपने सबसे बड़े स्रोत प्रापर्टी से टैक्स की वसूली में भी फिसड्डी है। वे जैसे-तैसे 56 प्रतिशत ही संपत्ति टैक्स जुटा पाते हैं। इस निष्कर्ष पर भरोसा न करने का कोई कारण नहीं, क्योंकि कुछ वर्ष पहले रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट का भी यह कहना था कि देश के 50 प्रतिशत से ज्यादा नगर निकाय अपने बल पर आधे से भी कम राजस्व अर्जित कर पाते हैं। इसके चलते आर्थिक सहायता के लिए उनकी केंद्र और राज्य सरकारों पर निर्भरता बढ़ती चली जा रही है। ऐसा नहीं है कि स्थानीय निकाय पर्याप्त राजस्व जुटा नहीं सकते। वे ऐसा कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें अपनी कार्यप्रणाली सुधारनी होगी और राजस्व हासिल करने की प्रक्रिया को भी प्रभावी बनाना होगा। समस्या यह है कि वे अपना राजस्व बढ़ाने के लिए टैक्स में वृद्धि करते जाते हैं, लेकिन फिर भी धनाभाव से ग्रस्त रहते हैं। इसके कारण वे नगरीय समस्याओं का समाधान करने में सक्षम नहीं हो पाते। अधिकांश नगर निकायों की टैक्स वसूली की प्रक्रिया भी दोषपूर्ण है और वह भ्रष्टाचार से भी ग्रस्त है। यह भी किसी से छिपा नहीं कि नगर निकाय स्टाफ की कमी से भी जूझ रहे हैं। नगर निकायों को यह समझना होगा कि राजस्व के परंपरात स्रोतों पर टैक्स बढ़ाते जाने से बात बनने वाली नहीं है। इससे इन्कार नहीं कि समय के साथ टैक्स में उचित वृद्धि होनी चाहिए, लेकिन इसके साथ ही नागरिक सुविधाओं में सुधार भी तो होना चाहिए। नगर निकायों के लिए यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है

कि वे राजस्व बढ़ाने और उसे एकत्र करने के अपने तौर-तरीके बदलें। क्या यह विचित्र नहीं कि शहरों का विस्तार हो रहा है, उनकी आबादी बढ़ने के साथ उद्योग-धंधे भी बढ़ रहे हैं, लेकिन उनका राजस्व बढ़ने का नाम नहीं ले रहा है और वे केंद्र और राज्य सरकारों से मिलने वाले अनुदान की राह तकते रहते हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि नगर निकाय अपने राजस्व स्रोतों में विविधता लाने के लिए सक्रिय नहीं हैं। एक समस्या यह भी है कि उन्हें वित्तीय निर्णय लेने की वैसी स्वतंत्रता नहीं, जैसी होनी चाहिए। यदि नगर निकाय स्थानीय शासन के रूप में काम करने में समर्थ नहीं हो पाते तो न हमारे शहर विकास के वाहक बन सकते हैं और न ही शहरी आबादी की अपेक्षाओं पर खरे उतर सकते हैं।

प्रो. नीलिमा गुप्त ने किए नैनागिरी के दर्शन

नैनागिरी. शाबाश इंडिया

भारत देश की विरासत और पुरातत्व से समन्वित श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरीजी के दर्शनार्थ प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता कुलगुरु डॉ. हरिसिंह केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर साथ में प्रो डी के गुप्ता भी पहुंचे। नैनागिरी प्रतिनिधि मंडल के रूप में प्रो रश्मि जैन, देवेंद्र लुहारी, डॉ आशीष जैन आचार्य महामंत्री प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन, अनिल जैन शास्त्री भी उपस्थित रहे। वहां का पुरातात्विक वैभव देखकर आप अत्यंत प्रसन्न हुए। वहां का सुरम्य प्राकृतिक वातावरण और प्रकृति से जुड़ा हुआ सम्पूर्ण वैभव को देखकर आपका मन प्रफुल्लित हुआ है। आपने अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा विश्वविद्यालय की ओर से निश्चित ही यहां श्रेष्ठतम कार्य किए जा सकते हैं। यहां आपार संभावनाएं हैं। नैनागिरी समिति द्वारा आपका पगड़ी, शाल, माला आदि पहनाकर सम्मान किया गया। कुलगुरु का सम्मान कर समिति ने अपने को गौरवान्वित अनुभव किया। आपने पर्वत पर विराजमान भगवान शांतिनाथ जी के दर्शन किए। पर्वत के नीचे स्थित मंदिर में विराजमान 3 फीट ऊंचा श्रुत स्कंध यंत्र का भी अवलोकन दर्शन किया। **प्रेषक : डॉ आशीष जैन आचार्य**

जयपुर के यश भराड़िया बने इंटरनेशनल मास्टर

जयपुर. शाबाश इंडिया

चेस पेरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान और राजस्थान शतरंज संघ ने यश भराड़िया को इंटरनेशनल मास्टर बनने पर दी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। चेस पेरेंट्स एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी जिनेश कुमार जैन ने बताया कि बेलग्रेड, सर्बिया में आयोजित टूर्नामेंट में यश ने 9 राउंड में 7 अंक प्राप्त किए, और 2549 के प्रदर्शन रेटिंग के साथ पहले स्थान पर रह कर इंटरनेशनल मास्टर के पद को हासिल किया। यह उपलब्धि उनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती प्रतिष्ठा का संकेत है। यश भराड़िया राजस्थान से उभरते हुए सबसे युवा और प्रतिभाशाली इंटरनेशनल मास्टर्स में से एक हैं, और उन्होंने कम उम्र में असाधारण उपलब्धियां हासिल की है।

भारत माता की जय वंदेमातरम् की गूंज के साथ "उठो हिन्द के वीर बांकुरों" साझा संकलन का हुआ विमोचन

मुम्बई. शाबाश इंडिया

रा.सा.सा.व सांस्कृतिक न्यास काव्यसृजन परिवार द्वारा संकलित हमरूह प्रकाशन दिल्ली द्वारा प्रकाशित पं. शिवप्रकाश जमदग्निपुरी द्वारा सम्पादित पुस्तक ''उठो हिन्द के वीर बांकुरों'' साझा संकलन का विमोचन श्रीराम जानकी मंदिर बद्रीधाम नब्बे फिट रोड लालबहादुर शास्त्री नगर साकीनाका मुम्बई में श्रेयस्कर मासिक पत्रिका के सम्पादक डॉ कृपाशंकर मिश्र, अयोध्या प्रसाद द्विवेदी,संजय द्विवेदी, रामस्वरूप साहू, मुन्ना राय जी कर कमलों द्वारा हुआ। विमोचन के समय श्री राम जानकी मंदिर का सभागार भारत माता की जय वंदेमातरम् के जयकारों से गूंज उठा। विमोचन के उपरांत मंचासीन अध्यक्ष मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का सम्मान संस्था ने शाल श्रीफल पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। आयोजन सरस्वती पूजन वंदन के बाद शुरू हुआ। मंत्रोच्चार पं.जमदग्निपुरी जी ने किया। पूजन अध्यक्ष डॉ कृपाशंकर मिश्र मुख्य अतिथि अयोध्या प्रसाद द्विवेदी विशिष्ट अतिथि संजय द्विवेदी रामस्वरूप साहू मुन्ना राय जी ने किया। वंदना लक्ष्मी यादव ''ओजस्विनी'' ने की। इसके बाद काव्य पाठ व विचार प्रवाह हुआ। विचार प्रवाह में ओमप्रकाश तिवारी जी ने बहुत ही अनुकरणीय विचार प्रकट किए। हिन्दी की दशा दिशा व कविता कवि पर सुन्दर विचार प्रकट किए। विशिष्ट अतिथि संजय द्विवेदी जी ने पुस्तक पर संक्षिप्त विचार प्रकट किये। मुख्य अतिथि अयोध्या प्रसाद द्विवेदी जी ने व विशिष्ट अतिथि रामस्वरूप साहू और मुन्ना राय जी ने भी अपने-अपने विचार प्रकट किए। अध्यक्ष डॉ कृपाशंकर मिश्र जी ने पुस्तक की सराहना करते हुए हमरूह प्रकाशन और उसके सहयोगियों की तारीफ की। आयोजन और आयोजक दोनों की सराहना की।

विश्व पर्यावरण दिवस- पर्यावरण एवं जीवन

डा संध्या यादवः प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं मुख्य चिकित्सक, जे पी हॉस्पिटल

विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को मनाया जाता है। इसकी शुरूआत 1973 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए की गई थी। इस दिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है । हर साल एक अलग विषय चुना जाता है, जो पर्यावरण के सामने आने वाली किसी खास चुनौती पर फोकस करता है। 2025 में पर्यावरण दिवस प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित रहेगा। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारा एकमात्र आवास है और इसका संरक्षण करना हमारा सामूहिक दायित्व है। मनुष्य के आसपास का सारा वातावरण, घर के भीतर और बाहर, सभी कुछ पर्यावरण का एक हिस्सा है। पर्यावरण की स्वच्छता ही हमारा धर्म है। पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त करना होगा। आज पूरे भारतवर्ष में पर्यावरण संरक्षण के लिए स्वच्छता अभियान चला हुआ है, जोर इस बात पर है की वातावरण शुद्ध रहे और हर नागरिक स्वस्थ रहे। पर्यावरण के विभिन्न घटक हमारे स्वास्थ्य पर तरह तरह के प्रभाव छोड़ते हैं। पर्यावरण संबंधी समस्याओं का सीधा प्रभाव मनुष्य के शरीर पर पड़ता हैं जिसके परिणाम स्वरूप मनुष्य अनेको प्रकार की बीमारी जैसे उच्च रक्तचाप, दमा इत्यादि से ग्रसित हो सकता हैं तथा महिलाए पीसीओएस तथा एंडोमेट्रियोसीस इत्यादि विमारियो से भी ग्रसित हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अनुमान लगाया है कि 2012 में विश्वभर में हुई कुल मौतों में से 23%, यानि 12.6 मिलियन, पर्यावरणीय कारणों से हुईं; जिनमें से 90% मौतें निम्न से मध्यम आय वाले देशों में हुईं। प्रदूषण तथा रसायनों और अपशिष्टों का अनुचित प्रबंधन, साथ ही पर्यावरणीय क्षरण और जैव विविधता की हानि, तथा जलवायु परिवर्तन, ये सभी आपस में जुड़े हुए वैश्विक संकट हैं, जिनका मानव और पशुओं दोनों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आम तौर पर समझा जाता है कि वायु, जल, मिट्टी और पेड़-पौधे मिलकर पर्यावरण बनाते हैं। अतः आवाश्यक है की पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए अधिक से अधिक बृछारोपण किया जाय |विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अनुमान लगाया है कि 2012 में विश्वभर में हुई कुल मौतों में से 23%, यानि 12.6 मिलियन, पर्यावरणीय कारणों से हुईं; जिनमें से 90% मौतें निम्न से मध्यम आय वाले देशों में हुईं। आज के बढ़ते औद्योगीकरण और तकनीकी विकास ने इंसान को ऐसी अति-आधुनिक सुख-सुविधाएं प्रदान की हैं, जिनके कारण उसका जीवन सरल और सहज बन गया है। इस व्यवधान ने प्रकृति के स्वाभाविक सामंजस्य को असंतुलित कर दिया है। आज का बिगड़ा पर्यावरण मनुष्य के स्वास्थ्य को बहुत ज्यादा प्रभावित कर रहा है।

देसी निर्माण, वैश्विक लक्ष्यः उदयपुर में देवी बैग का 65वां और राजस्थान का छठां स्टोर प्रारंभ

लोकल से ग्लोबल की ओर बढ़ता आत्मनिर्भर भारत का स्वदेशी ब्रांड

उदयपुर. शाबाश इंडिया। भारत में स्वदेशी बैग निर्माण क्षेत्र में अग्रणी देवी बैग कंपनी ने अपने खुदरा विस्तार की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए मंगलवार को लेकसिटी मॉल, उदयपुर में अपने 65वें रिटेल स्टोर का शुभारंभ किया। यह राजस्थान में कंपनी का छठा स्टोर है, जबकि उदयपुर शहर में पहला। कंपनी के प्रबंध निदेशक आशीष शर्मा ने बताया कि देवी बैग कंपनी 24 वर्षों से गुजरात से अपने निर्माण कार्यों द्वारा 1800 करोड़ रुपये के सालाना टर्नओवर तक पहुंच चुकी है। देशभर में 64 सफल स्टोर खोलने के बाद अब उदयपुर में कदम रखकर कंपनी ने राजस्थान में अपने विस्तार को गति दी है। कंपनी का लक्ष्य है कि देश के हर नागरिक तक गुणवत्ता युक्त, किफायती और टिकाऊ बैग पहुंचाए जाएं।

कंपनी की खासियतें

सस्ती रेंजः ऑफिस, ट्रैवलिंग, स्कूल, ट्रेकिंग और लेडिज बैग की विस्तृत श्रृंखला।
गारंटीः बैग खराब होने पर तत्काल मरम्मत की सुविधा।
स्वदेशी निर्माणः कंपनी का पूरा उत्पादन भारत में होता है, जो 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करता है।

सामाजिक दृष्टिकोण

कंपनी के ब्रांड एम्बेसडर गुजरात के अभिनेता अक्षत व्यास ने बताया कि देवी बैग अपने कर्मचारियों को परिवार मानती है, यही कारण है कि कोरोनाकाल में भी किसी कर्मचारी की छंटनी नहीं हुई और उन्हें पूरा वेतन प्रदान किया गया।

भविष्य की योजनाएं

प्रबंध निदेशक हर्ष शर्मा ने जानकारी दी कि कंपनी का लक्ष्य वैश्विक स्तर पर 1000 स्टोर खोलना है। भविष्य में दान और सामाजिक सेवा पर भी विशेष ध्यान रहेगा, जिसमें वृद्धजनों को धार्मिक यात्राएं कराना भी शामिल है। इसके साथ ही कंपनी ने एक निवेश योजना की भी घोषणा की है। इसके तहत 20 लाख रुपये या उससे अधिक निवेश करने वाले निवेशकों को सालाना 24 प्रतिशत सुरक्षित रिटर्न देने की योजना है। यह स्कीम विशेष रूप से उदयपुर से लॉन्च की गई है। साथ ही राजस्थान में जल्द ही 20 और स्टोर खोले जाने की योजना है।

लोकल से ग्लोबल

देवी बैग का उदयपुर आगमन न केवल एक व्यवसायिक विस्तार है, बल्कि स्वदेशी उद्योग को प्रोत्साहित करने, स्थानीय रोजगार सृजन और सामाजिक सेवा की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक सशक्त पहल भी है। लोकल से ग्लोबल की ओर बढ़ता यह ब्रांड भारतीय आत्मनिर्भरता के मॉडल का उदाहरण प्रस्तुत करता है।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

विशाल रक्तदान शिविर संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

कैलाश विमल मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट और अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद मानसरोवर संभाग के संयुक्त तत्वावधान मे स्वर्गीय कैलाश चंद जैन (फागी वाले) की पुण्य स्मृति मे स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविर एवम मेडिकल जांच शिविर का आयोजन श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर जयपुर मे सम्पन्न हुआ ।कार्यक्रम के पुण्यार्जक परिवार सतीश मंजू अनुप पूजा हेत्वी गुणवित कासलीवाल परिवार फागी वाले थे । कैलाश विमल ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक कासलीवाल एवं ट्रस्ट के मंत्री सतीश कासलीवाल एवं युवा परिषद मानसरोवर संभाग के अध्यक्ष अशोक बिंदायका (जोला वाले) परिषद के महामंत्री पारस जैन बोहरा (दूदू वाले) ने बताया कि महावीर भगवान के चित्र के सामने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ ' रक्तदान शिविर मे 70 यूनिट रक्त एकत्र हुआ ' एवम 125 लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया ' कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्षद पारस जैन दीप प्रज्वलन कर्ता राजेन्द्र शाह, विशिष्ट अतिथि आर के शर्मा मुख्य अभियंता जेवीवीएनएल एवं भवरी देवी काला एवं परिषद के परम शिरोमणि संरक्षक राजीव जैन,परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन प्रदेश महामंत्री विमल बज, मंच पर विराजित जैन समाज के वरिष्ठ सम्माननीय सदस्य सुरेंद्र पांड्या पूर्व भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी अनिल जैन, णमोकर जैन, सुरेश बांदीकुई कैलाश सेठी महावीर बाकलीवाल भी कार्यक्रम में मौजूद रहे ।ट्रस्ट परिवार से सुरेश कासलीवाल, संतोष कासलीवाल, पवन कासलीवाल, मुकेश कासलीवाल, राहुल अभिषेक अभिनव रोहित रजत शुभम सत्यम रजत गौरव नीरज मोहित अनूप मीना जैन कांता जैन मंजू जैन पुष्पा पिंकी वीनू नीलू प्रिया विनी अपेक्षा वर्षा कीर्ति सुरभि आरती पूजा समस्त कासलीवाल परिवार फागी वाले मौजूद रहे। कार्यक्रम मे मंदिर समिति के अध्यक्ष एम.पी जैन, मंत्री ज्ञान बिलाला, जिनेश रावका सौभागमल जैन मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं कार्यक्रम के संयोजक लोकेश सोगानी,रवि

गोदिका नीरज बाकलीवाल विनय सोगानी रतन सोगानी रुचि सेठी ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया।कार्यक्रम मे डॉ वंशिका जैन डॉ जतिन जैन एवं सुमन ब्लड बैंक द्वारा अपनी सेवा दी ' कार्यक्रम मे परिषद के चेतन जैन लक्ष्य जैन लक्ष्मी जैन कामिनी जैन नव्य जैन मुकेश जैन अमित बाकलीवाल अक्षित जैन मनीष जैन एवं वीर बहादुर जैन दिलीप कासलीवाल युवराज गंगवाल प्रेम प्रकाश जैन इंदर कुमार सुनिता जैन मनोज पाटोदी मनोज जैन मधुबाला सीमा जैन आदि मौजूद रहे । समाज के सभी सम्माननीय सदस्यों द्वारा रक्त दाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अंत मे ट्रस्ट के महामंत्री सतीश कासलीवाल एवं युवा परिषद के महामंत्री द्वारा शिविर मे आने वाले सभी रक्त दाताओं एवं समाज के सभी सम्माननीय सदस्यों का धन्यवाद देकर आभार जताया।

मुनि श्री महिमासागर महाराज संघ के आगमन पर समाजजनों ने की अगवानी

चिंतन की जैसी धारा होगी वैसा ही बनेगा जीवन

सनावद. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन संतों की जन्म भूमि में साधुओं के आने का सिलसिला निरंतर जारी है।सुदूर कर्नाटक के चिकमगलूर में जन्मे तथा आचार्य श्री वरदत्तसागर महाराज द्वारा दीक्षित तपस्वी मुनि श्री महिमासागर महाराज सिद्धवरकूट क्षेत्र के जिनमंदिरों की वंदना के उपरांत मंगलवार को प्रातः 7:30 बजे नगर में पहुंचे। जहाँ श्रद्धालुजनों ने संघ की अगवानी की। मुनि श्री महिमा सागर जी समीपस्थ णमोकर धाम तथा पोदनपुरम तीर्थ की वंदना कर नगर में पहुंचे। उपरोक्त जानकारी देते हुए डॉ. नरेंद्र जैन भारती एवं बसंत पंचोलिया ने बताया कि पूज्य मुनि श्री दिव्यसेन,मुनि परमसागर जी, आर्यिका सुग्रीवमती माताजी, आर्यिका सुभद्रामती माताजी एवं क्षुल्लिका सम्मेदमती माताजी ने पवन गोधा के निवास पर आहार ग्रहण किया। डॉक्टर जैन ने बताया कि पूज्य मुनि श्री महिमासागर महाराज विगत 9 वर्षों से एक दिन निराहार रहकर दूसरे दिन मुनिचर्या के अनुसार दिन में एक बार आहार ग्रहण कर ज्ञान,ध्यान और तप साधना में लीन रहते हैं। 48 घंटे में केवल एक ही बार आहार ग्रहण करते हैं। संघ मांगीतुंगी जी पहुंचकर चातुर्मास स्थापन करेगा। नगर आगमन पर निमिष जैन,सरल जैन, प्रफुल्ल जैन, राजेश जटाले, अचिंत्य जैन,बसंत पंचोलिया, रिंकेश जैन, वारिस जैन ने संघ की अगवानी की। मुनि महिमा सागर जी ने संत निवास पहुंचकर पार्श्वनाथ जिनालय में अभिषेक शांतिधारा का अवलोकन कर संत निलय में विराजमान आचार्य श्री विनम्र सागर जी का जल से पाद प्रच्छालन किया। कमलेश भूच एवं सत्येंद्र जैन ने बताया कि संत निलय में प्रवचन के दौरान पूज्य आचार्य श्री विनम्र सागर महाराज ने बताया कि चिंतन की धारा जैसी होगी वैसा ही जीवन बनेगा। जब विरक्ति आती है तब आसक्ति नहीं रहती, जब आसक्ति नहीं रहती तब व्यक्ति पेंट-शर्ट, जींस, सफारी, महंगे वस्त्रों का त्याग कर वैराग्य की ओर अग्रसर हो जाता है। वह यह जान जाता है कि आत्मा अजर अमर है। आयु तो शरीर की समाप्त होती है इसलिए सम्यग्दृष्टि जीव संसार शरीर से विरक्त होकर संयम धारण करता है जहाँ संयम होता है वही संस्कार पनपते हैं।

AI और मानव विवेक

णमो जिणाणंप्रश्न दिमाग में आया नहीं कि उंगलियां स्वतः मोबाइल पर पहुंच जाती हैं और कुछ ही सेकण्डों में समस्या का समाधान प्राप्त हो जाता है। जी हां, मैं बात कर रही हूं इंटरनेट की और इंटरनेट पर छाए हुए अनेकों एप्लीकेशंस की। आज लगभग प्रत्येक व्यक्ति इस तकनीक से संचारी रोग की तरह प्रभावित है। इस संचार माध्यम से किसी भी विषय की जानकारी अविलंब प्राप्त हो जाती है,इसमें कोई संदेह नहीं। किंतु प्राप्त जानकारी सटीक एवं प्रमाणिक है आपको नहीं लगता कि इस बात पर थोड़ा विचार करना आवश्यक है। क्योंकि नित नए-नए अवतरित एप. वही जानकारी हमारे समक्ष प्रस्तुत करते हैं जो डेटा उनमें फीड किया जाता है। पूछे जाने वाले प्रश्नों को वे अपने अनुसार जो भी इंटरनेट पर एकत्रित डेटा उपलब्ध होता है सिर्फ उससे ही उत्तर निकाल करके एक मिश्रित जानकारी हमें प्रस्तुत कर देते हैं। अब प्रश्न यह उठता है कि प्राप्त जानकारी प्रमाणिक हो इसके लिए क्या किया जाए? तो उनके लिए हमें विश्वसनीय वेबसाइट का सहयोग लेना चाहिए, साथ ही मूलस्रोत एवं विशेषज्ञों से उस विषय से संबंधित जानकारी के बारे में अवश्य ही चर्चा कर लेनी चाहिए। विशेष रूप से यदि हम जैन धर्म से संबंधित किसी विषय की खोज सोशल मीडिया पर करते हैं तब हमें अवश्य ही विशेषज्ञों से परामर्श कर लेना चाहिए।बच्चों को भी यदि हम धार्मिक जानकारी सोशल मीडिया से खोज करके बताते हैं उस समय अवश्य ही सावधानी रखनी चाहिए। यदि हम इन चीजों को ध्यान में रखकर सोशल मीडिया का उपयोग करेंगे तो हमारी जानकारी कहीं अधिक विश्वसनीय होगी और वर्तमान में इस तकनीक का सदुपयोग अधिक से अधिक कर पाएंगे। फिर तो यह आधुनिक विधा हमारे लिए किसी वरदान से कम नहीं साबित होगी।

इन्हीं भावनाओं के साथ शुभ मंगलम् भवतु!

सुनयना जैन 'शुभा' (ज्ञानदेशना) लखनऊ

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

जैन सोशयल ग्रुप वीनस का 51 सदस्य दल वियतनाम के लिए हुआ रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप वीनस जयपुर अपने 51 सदस्यों के साथ वियतनाम विदेश भ्रमण यात्रा इस ट्यूर के मुख्य समन्वयक महेन्द्र गिरधरवाल, उपाध्यक्ष जेएसजीआईफ के नेतृत्व में दिनांक 03 जून से 11 जून तक के लिए रवाना हुआ। ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष शैलेन्द्र शाह, अध्यक्ष महेंद्र जैन, यात्रा के संयोजक , राजीव एवम सुनील सेठी ने बताया इस यात्रा का मुख्य संदेश रजियो और जीने दोर रहेगा। वीनस ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष और रीजन सचिव रविंद्र रचना बिलाला ने बताया कि वीनस ग्रुप के 51 सदस्यों को महावीर नगर जैन मंदिर से दोपहर 12:00 बजे बस द्वारा रवाना करने के लिए जेएसजीआईफ के पूर्व अध्यक्ष राकेश जैन, रीजन के पूर्व चेयरमैन प्रदीप जैन लाला रीजन चेयरमैन राजीव पाटनी, चेयरमैन इलेक्ट सुभाष बज, सचिव रविन्द्र बिलाला, उपाध्यक्ष सुधीर गंगवाल, डॉक्टर राजीव जैन, सह सचिव मनीष सोनी, पीआरओ सुनील पहाड़िया, जैन समाज के सुप्रसिद्ध श्रावक प्रमोद पहाड़िया, दर्शन बाकलीवाल, अरुण काला (मटरू), सुनील चौधरी, मीना चौधरी, विनोद कोटखावदा,नवीन जैन और नितिन जैन ने शुभकामना दे कर रवाना किया।

बेंगलूरु के जैन युवा “नव किरण” ग्रुप द्वारा श्रवण बेलगोला व मंदार गिरि यात्रा का आयोजन

बेंगलूरू. शाबाश इंडिया

प्रमुख समन्वयक अंकित जैन और सचिन सेठी ने बताया कि समन्वय , सदभावना के साथ पूरे बेंगलुरु के जैन धर्मावलंबियो को एकता के सूत्र में पिरोने तथा बच्चों को विद्यालय का नव वर्ष के प्रारम्भ में जिन दर्शन यात्रा कर संस्कार व संस्कृति से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित यात्रा में 500 धमार्नुरागियों ने भाग लिया। जिसमे देश भर के अनेक प्रांतों से आसाम, बिहार, झारखंड,उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश पश्चिम बंगाल के छात्र व युवा जो कई वर्षों से यहा रह रहे हैं और अकेला महसूस करते थे उन्हें सबके साथ यात्रा में बहुत आनंद आया ।यात्रा में एक साल के बच्चे से लेकर 80 साल के वरिष्ठ जनो ने भी भाग लिया ।जिनको युवाओ ने बड़ी आत्मीयता प्यार व सम्मान के साथ यात्रा करवाई । श्रवण बेलगोला पहुचने पर स्थानीय वाद्य वृंद के साथ स्वागत किया गया। विंध्यगिरि पर्वत पर स्थित विश्व के सात आश्चर्य की सूची में शामिल देश की शान , कर्नाटक का गोरव भगवान बाहुबली जी की प्रतिमा के दर्शन वंदना कर व यहा के इतिहास, कला व सांस्कृतिक वैभव को देख अभिभूत हो गए। 9 बस व कई कार में आए यात्रियों ने बड़ी ही भक्ति भाव से दर्शन अभिषेक व पूजन किया। त्पश्चात प्राचीन चंद्रगिरि पर्वत के 14 मंदिरों के दर्शन किए जहा भद्रबाहु जी व चंद्र गुप्त जी के चरन भी हैं ।सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य जी ने यहा तपस्या कर समाधि ली थी इसलिए इस पर्वत का नाम चंद्रगिरि पड़ा। फिर मठ के मंदिरों के दर्शन किए जहाँ पर 500 साल प्राचीन भित्तिचित्र बने हुए हैं। अब मंदार गिरी की ओर चले जो करीब 120 किलोमीटर की दूरी पर है ।सभी ने पहले पर्वत की वंदना की जहा समवशरण की रचना की है। यहा के प्रसिद्ध पीछी मंदिर जिसमे आचार्य शांति सागरजी महाराज के जीवन के कुछ प्रसंग के म्यूरल बनाए गए हैं जो बहुत ही सुंदर है।सभी ने सूर्यास्त पूर्व संध्या के भोजन का लुत्फ लिया। खुले आसमान के नीचे स्थित चंदा प्रभुजी के समक्ष बड़ी भक्ति भाव से नृत्य करते हुए आरती की ।सभी श्रद्धालु युवा भाव विभोर हो झूम उठे।इस अवसर पर विल्सन गार्डन समाज के अध्यक्ष अशोक सेठी ने कई प्रायोजकों का सम्मान किया। नवकिरण युवा मंच द्वारा सुनियोजित, सुव्यवस्थित शानदार धार्मिक यात्रा के आयोजन के लिए पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। करीब 31 सदस्यों ने अपना कीमती समय देकर यात्रा को सफल बनाया। सभी की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए उन्होंने युवाओं को धर्म और संस्कृति से जुड़े रहने का आह्वान किया।इस अवसर पर बेंगलूरु व अनेक शहरो के गणमान्य लोग उपस्थित थे ।सभी ने यात्रा की बहुत सराहना की।जैन युवा नव किरणः अंकित जैन,अरिहंत जैन,राहुल जैन, स्नेहा जैन,आदीश जैन,ईशा जैन,प्रज्वल जैन,प्रणव जैन,प्रेरणा जैन,रुचिका जैन,पार्श्व जैन,अक्षत जैन,पंकज जैन,सुचिता जैन, जिन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मंदिर धर्म की विरासत और समोषरण के प्रतीक होते हैं

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। दिगंबर जैन तीर्थ स्वरूप आदिनाथ जिनालय छत्रपति नगर का 32 वां स्थापना दिवस एवं आदिनाथ भगवान भगवान का 108 स्वर्ण, रजत कलशों से महा मस्तकाभिषेक एवं शांति धारा, उपाध्याय द्वय मुनिश्री विशोक सागरजी एवं विभंजन सागर जी महाराज के सानिध्य एवं पंडित योगेंद्र काला के निर्देशन में संपन्न हुआ।इस अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए उपाध्याय श्री विशोक सागरजी ने कहा कि मंदिर धर्म की विरासत और समोशरण के प्रतीक होते हैं।वे लोग बहुत पुण्यशाली होते हैं जो मंदिर निर्माण में तन मन धन से सहयोग करते हैं। आपने यहां स्थापित आदिनाथ जिनालय की विशालता और उसके सुदर्शनी स्वरूप की सराहना करते हुए जिनालय को तीर्थ स्वरूप एवं छत्रपति नगर जैन समाज की पहचान निरुपित किया। उपाध्याय श्री विभंजन सागरजी ने कहा कि छत्रपति नगर की जैन समाज बहुत सौभाग्यशाली है की उसे आज जिनालय का 32वां स्थापना दिवस देव शास्त्र गुरु के सानिध्य में मनाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आपने भी जिनालय निर्माण में सहयोग देने वालों की सराहना करते हुए उनके पुण्य की अनुमोदना की धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इसके पूर्व जिनालय की बेदी में विराजित मूल नायक आदिनाथ भगवान की प्रतिमा का 108 स्वर्ण रजत कलशों से महा मस्त का अभिषेक किया गया।

तप आत्मा को शुद्ध करता है और उसे सभी दोषों से मुक्त करता है : आर्यिका प्रशांत नंदनी

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री 108 वसु नंदी मुनिराज की अनुभवी शिष्या जनकपुरी-ज्योतिनगर जैन मंदिर में विराजित आर्यिका प्रशांत नंदिनी माताजी की नित्य तत्वार्थ सूत्र पर क्लास चल रही है। मंगलवार को धर्म क्लास में आर्यिका श्री ने बताया कि हर व्यक्ति तपता है ।तप एक शक्तिशाली अभ्यास है जो आत्मा को उसके सभी दोषों से मुक्त करने में मदद करता है। यह मन को शांत करता है, अज्ञान की परतों को हटाता है, और आत्मा को उसकी शुद्ध और वास्तविक अवस्था में वापस लाता है। तप के विभिन्न रूपों को अपनाकर व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बना सकता है और मोक्ष की ओर अग्रसर हो सकता हैं। मंदिर समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि जनकपुरी में आर्यिका संघ (छ पिच्छी) का नित्य प्रातः तत्वार्थ सूत्र क्लास , मध्याह्न रत्नकरण्डक श्रावकाचर एवं शाम को गुरु भक्ति का कार्यक्रम चल रहा है।

मनुष्य पर्याय है अनमोल रत्न: गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ

भोपाल. शाबाश इंडिया

पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज एवं प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में नारियल खेड़ा भोपाल में चल रहे पंचकल्याणक महोत्सव में आज तीसरे दिन तप कल्याणक महोत्सव में आज भी भक्तों ने भक्ति का आनन्द लिया। बड़ी जनसंख्या में भक्त इस आयोजन में सम्मिलित हो रहे थे। महोत्सव में आदिनाथ भगवान द्वारा प्रजा को असि मसि कृषि शिल्प विद्या और कला का ज्ञान कराना , नीलांजना की मृत्यु देखकर भगवान का वैराग्य, ब्राह्मी सुंदरी को अक्षर व अंक विद्या सिखाई ऐसे सभी दृश्य दिखाए गए। गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी की शिष्या अनुष्का एवं सोनाक्षी ने ब्राह्मी सुंदरी बनने का सौभाग्य प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि - मनुष्य भव बड़ा अनमोल है।इसकी कीमत करना चाहिए। क्योंकि जब भगवान वन की ओर दीक्षा लेने जाते हैं तो देवताओं को भगवान की पालकी उठाने का अवसर नहीं मिलता उस समय वह भी मनुष्य भव पाने के लिए तरसते हैं। हमें यह पर्याय मिली है तो हमने इसे पाप में निकाल दिया यदि संयम धारण नहीं किया तो इस जीवन का कोई सार नहीं है । अतः यह मनुष्य जीवन मिला है और इसकी कीमत कीजिए।

जोधपुर में शहर के सबसे बड़े जैन भवन का होगा निर्माण

15 को संक्रांति महोत्सव में मारवाड़ जैन श्री संघ ट्रस्ट का होगा शुभारम्भ

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया

जोधपुर। जोधपुर में शहर का सबसे बड़ा जैन भवन मारवाड़ जैन श्री संघ के तत्वावधान में राष्ट्रसंत पद्मश्री से सम्मानित गच्छाधिपति नित्यानंद सूरीश्वर जी महाराज एवं भोलेबाबा आचार्य जयानंद सुरीश्वर महाराज के सानिध्य में 15 जून को मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित होने वाले विशाल संक्राति कार्यक्रम में शुरूआत होगी। कार्यक्रम अनेक साधु साध्वियों के साथ देश भर से उनके भक्तजन व जैन समाज के प्रबुद्ध जनो की उपस्थिति में विशाल संक्राति महोत्सव मनाया जाएगा।

ये होंगे कार्यक्रम अतिथि: कार्यक्रम संयोजक गौतम सालेचा ने बताया कि इस अवसर पर पंजाब के महामहिम राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया मुख्य अतिथि रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जोधपुर विधायक अतुल भंसाली करेंगे।इस अवसर पर नाकोड़ा तीर्थ के अध्यक्ष रमेश कुमार मुथा व मोटिवेशनल स्पीकर शांतिलाल गोलेच्छा की गरिमामय उपस्थिति रहेगी। इस दिन मारवाड जैन श्री संघ ट्रस्ट का शुभारम्भ होगा। यह ट्रस्ट पुरे मारवाड जैन समाज का सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक, चिकित्सा:, पर्यावरण व अनेक सामाजिक कार्यो का केंद्र बिंदु रहेगा। इस ट्रस्ट में मारवाड क्षेत्र: के जैन समाज के प्रमुख लोगो को ट्रस्ट में सम्मिलित किया जायेगा।

बहुउपयोगी साबित होगा जैन भवन

इस कार्य की शुरूआत के अंतर्गत गुलाब नगर जोधपुर में बड़ी जमीन खरीदी गयी है, जिसमे समाज उपयोगी बहुमंजिला जोधपुर का जैन समाज का सबसे बड़ा भवन बनाया जाएगा। इस भवन में आधुनिक सुविधा युक्त 50 कमरे 2 बैंकेटहॉल भोजनशाला, कॉन्फ्रेश हॉल, बोर्डरूम डोरमेट्री इत्यादि सुविधाएं रहेगी। यह क्षेत्र: जोधपुर का सेंटर पॉइंट होने से जैन समाज के बड़े आयोजन.आचार्यो के चातुरमास साधु साध्वियों का आवागमन रहेगा।एम्स हॉस्पिटल के पास होने से यहाँ पर मरीजों के साथ रहने वालो को अच्छी सुविधा मिल सकेगी।यह ट्रस्ट जैन एकता के प्रतिक के रूप में टस्ट में जैन समाज के सभी सम्प्रदाय के ट्रस्टियों को सम्मिलित किया है।

रॉयल ग्रुप ने दुर्गापुरा गौशाला में की गौसेवा

जयपुर. शाबाश इंडिया। रॉयल ग्रुप मित्र सेवा संस्थान की ओर से दुर्गापुरा गौशाला में गायों की सेवा की गई। रॉयल ग्रुप के सेक्रेटरी नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि इस महीने के सेवा कार्य के अंतर्गत प्रथम सप्ताह में ग्रुप के सदस्यों के द्वारा गायों के प्रति अपने स्नेह और सेवा भावना को दशार्ते हुए गौशाला में चारा, तरबूज, लड्डू खिलाई गई। यह एक पवित्र व आनंदमय अनुभव था। रॉयल के अध्यक्ष दीपक सेठी ने कहा कि इस अवसर पर सेवा कार्य करते हुए सभी सदस्यों ने इस दिन को और भी खास बना दिया है। रॉयल ग्रुप के संरक्षक सुरेंद्र पाटनी, पारसमल छाबड़ा ने कहा इन सभी कार्यो ने यह साबित किया है की सेवा और समर्पण ही सच्ची खुशी का मार्ग है । इस अवसर विकास काला, अमित ठोलिया, मोना सेठी, रचना ठोलिया सहित सदस्यगण मौजूद रहे।

भारत स्काउट गाइड सदस्यों ने विश्व साइकिल दिवस मनाया

साइकिल चलाओ स्वास्थ्य बनाओ: मंजू यादव

राजकुमार शर्मा. शाबाश इंडिया

सीकर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड एवं पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के तहत में आयोजित पर्यावरण सप्ताह के तृतीय दिवस के दिन विश्व साइकिल दिवस का मनाया गया।इस अवसर पर श्रीमती मंजू यादव प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय किशनपुरा की अध्यक्षता में साइकिल चलाओ स्वस्थ बनाओ संगोष्ठी का आयोजन पीएम श्री राधा कृष्ण मारू राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर में किया गया। इस अवसर पर बसंत कुमार लाटा सीओ स्काउट व मनोहर लाल इको क्लब प्रभारी एवं स्काउट मास्टर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुडली ने साइकिल चलाने से होने वाले लाभ के बारे में विस्तार से स्काउट गाइड छात्रों को जानकारी प्रदान की। पोस्टर्स के माध्यम से भी बताया गया। इसके बाद साइकिल चलाओ प्रतियोगिता का आयोजन पीएम श्री राधा कृष्ण मारू राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर के मैदान पर बसंत कुमार लाटा सीओ स्काउट,पवन कुमार के नेतृत्व में किया गया। इसमें बालक बालिकाओं ने साइकिल रेस में बढ़कर हिस्सा लिया । प्रियांश प्रथम, अयान द्वितीय, सुमित तृतीय स्थान पर रहे। 4 जून को कपड़े थैले, कागज के थेले, वेस्ट ऑफ वेस्ट संबंधी प्रतियोगिताओं, पर्यावरण की शपथ, नारा लेखन, निबंध प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, धमाल व पर्यावरण गीत के साथ रन फॉर एनवायरमेंट में भाग लेंगे।

कर्म, कषाय और मोक्ष का विवेचनः जैन शिविर में तत्वार्थ सूत्र का स्वाध्याय

श्री दिगंबर जैन ग्रीष्मकालीन साधना शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ संपन्न

ब्यावर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति, सांगानेर (जयपुर) के तत्वावधान में ब्यावर में आयोजित ग्रीष्मकालीन साधना शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। यह साधना शिविर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की उत्कृष्ट साधना को समर्पित है, और इसका आयोजन उनके परम प्रभावक शिष्य निर्यापक मुनि 108 श्री सुधासागर जी महाराज की प्रेरणा से किया गया है। प्रातःकालीन सत्र का शुभारंभ कमल रावका के निर्देशन में ह्लआचार्य विद्यासागर स्वाध्याय परिवारह्व द्वारा किया गया। इस अवसर पर चित्र अनावरण समारोह भी संपन्न हुआ, जिसमें श्रावक श्रेष्ठी पवन रौनक, रविकुमार अधिराज, लवेश धगड़ा परिवार और ईशान रावका परिवार सहित अनेक श्रद्धालुजनों ने सहभागिता निभाई। जिनवाणी प्रतिष्ठा श्रीमती मंजुलता पवन, विनोद, सुभाष, अशोक, श्रीमती हेमलता, संजय, नीलू, लोकेश आदि श्रद्धालुओं के सान्निध्य में की गई।

स्वर-नृत्य की बहार से सजा समर क्लासेस का समापन समारोह

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित 'स्वरांजलि' (संगीत) एवं 'नृत्यांजलि' (नृत्य) की 15 दिवसीय निःशुल्क समर क्लासेस का समापन मंगलवार को वर्द्धमान कन्या पीजी कॉलेज के वातानुकूलित सभागार में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ समिति के मंत्री डॉ. नरेंद्र पारख, उपाध्यक्ष ज्ञानचंद बिनायकिया एवं अन्य पदाधिकारियों ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया। 'स्वरांजलि' के प्रतिभागियों ने ओम मंत्र, नवकार मंत्र एवं प्रेरणादायक भजनों की मधुर प्रस्तुति दी, वहीं 'नृत्यांजलि' के बच्चों ने नटराज वंदना, घूमर, महाभारत थीम पर नृत्य-नाटिका व 'काल्यो कूद पड्यो मेला में' जैसे मनोहारी लोकनृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। 15 दिन में सिखाए गए इन प्रदर्शनियों के पीछे प्रशिक्षकों कनिका अग्रवाल व मोहित पाराशर की मेहनत रही, जिन्होंने पहली बार मंच पर प्रस्तुति देने वाले बच्चों को तैयार किया। कार्यक्रम में समिति के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने प्रतिभागियों को स्मृति-चिन्ह स्वरूप छायाचित्र भेंट किए। समापन पर शैक्षणिक निदेशक डॉ. आर.सी. लोढा ने सभी आगंतुकों, प्रशिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का आभार प्रकट किया।

दिगंबर जैन महासमिति की महावीर नगर इकाई का पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति, राजस्थान अंचल के पश्चिम संभाग जयपुर की महावीर नगर ईकाई के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार पाण्ड्या ने बताया कि ईकाई द्वारा दिनांक 18 मई से 27 मई तक धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर 2025 के अन्तर्गत प्रतिदिन संस्कार सरोवर भाग प्रथम, द्वितीय, तृतीय, छहढाला एवं द्रव्य संग्रह विषयों की कक्षाएं संचालित की गई। श्रीमती तारा बोहरा एवं सुशीला गोदीका द्वारा मंगलाचरण किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता अंचल के अध्यक्ष अनिल कुमार जैन सेवा निवृत आईपीएस ने की। दीप प्रज्वलन महा समिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र पांड्या ने किया। ईकाई के मन्त्री राजेन्द्र कुमार पापड़ीवाल ने बताया की शिविर में भाग लेने वाले सभी शिविरार्थियों की विषयान्तर्गत पृथक पृथक परीक्षाएं ली गई। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी परीक्षार्थियों को अनिल पूर्वा जैन निवासी यूनिक सांघी महावीर नगर की ओर से पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। मंगलाचरण व अतिथियों के स्वागत सत्कार के पश्चात सभी शिविरार्थियों व शिक्षको को प्रमाणपत्र व उपहार एवं सहयोगकताओं को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। संयोजक सुनील बज ने बताया कि समारोह में धार्मिक संस्कार शिविर के मुख्य संयोजक डा. बी. सी. जैन, महासमिति के राजस्थान अंचल के कार्याध्यक्ष राजेश बड़जात्या, उपाध्यक्ष मृदुला पाण्ड्या, महिला अंचल की अध्यक्षा शकुन्तला बिन्दायका, महामंत्री सुनीता गंगवाल, पश्चिम संभाग के मंत्री महेन्द्र छाबड़ा, विष्णुपुरी इकाई के अध्यक्ष केड्केड्डजैन, एस ब्लॉक इकाई के अध्यक्ष मुकेश ठौलिया व मन्दिर प्रबन्ध समिति की ओर से दर्शन बाकलीवाल, गिरीश बाकलीवाल, शैलेन्द्र झांझरी, शिविरार्थियों के अभिभावक व अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में सुरेंद्र मृदुला पांड्या जी की ओर से अल्पाहार वितरित किया गया।

ये दिल तुम बिन कहीं लगता नहीं, हम क्या करें...

एक शाम भगवान महावीर के नाम, जैन भजन संध्या में उमड़े श्रद्धालु

निवाई. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप प्रज्ञा एवं दिगम्बर जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा जैन भजन संध्या आयोजित की गई जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भजन संध्या प्रांगण को फूलों एवं गुब्बारों से सजाया गया। जिसमें भगवान महावीर की विधुत उपकरणों से आकर्षक झांकी सजाई गई। कार्यक्रम संयोजक विमल जौंला ने बताया कि भजन संध्या का शुभारंभ जैन समाज के सुरेशचन्द, महेन्द्र कुमार, संजय कुमार सुनील कुमार अनिल कुमार टोनी भाणजा व गणेश गोयल परिवार द्वारा भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रजवलित किया। कार्यक्रम का मंगलाचरण शकुंतला भाणजा, रेणू भाणजा, कविता भाणजा राजूल जैन सपना भाणजा व सरिता गोयल ने किया। भजन संध्या से पूर्व आयोजन समिति द्वारा गायिका दिशी जैन बांसवाडा, गायक महेश दरगड़, गायक विमल जौंला, गायक अजीत काला एवं गायक विमल सोगानी का केलाशचंद, ताराचंद, प्रेमचंद, विष्णुकुमार, राजेन्द्र कुमार रमेश बोहरा, कांग्रेस नेता राजेश गुरुजी, अमित कटारिया हितेश छाबड़ा, दिलीप भाणजा, मनोज पाटनी, राकेश संघी, कमलेश खंडेलवाल, हेमंत चंवरिया पवन बोहरा व संजय कावट ने राजस्थानी परम्परा अनुसार स्वागत किया। भजन संध्या की शुरूआत मुख्य गायक कलाकार गायिका सुश्री दिशी जैन एण्ड पार्टी बांसवाड़ा एवं अन्तर्मना म्यूजिकल ग्रुप ने णमोकार महामंत्र एवं भगवान महावीर की वन्दना से शुरूआत की। गायिका दिशी जैन एवं गायक महेश दरगड़ ने णमोकार मंत्र है प्यारा भजन के साथ शुरूआत की जिसमें श्रद्धालुओं ने तालियां बटोरी। इसी प्रकार मैं तो अपने बाबा के धाम चली रे, मेरे महावीर झूले पलना, ये दिल तुम बिन कहीं लगता नहीं, मेरे बाबा तेरी नोकरी, जब से प्रभु दर्श मिला सहित कई भजनों प्रस्तुतियां दी जिस पर श्रद्धालु झूम उठे एवं जमकर भक्ति नृत्य किया। गायक महेश दरगड़ ने करुणा के भण्डार हमारे महावीरा सहित कई राजस्थानी धूमर भक्ति के साथ भगवान महावीर के भजनों की प्रस्तुतियां दी। जिसमें श्रद्धालु जमकर झूमे। भजन संध्या का दौर देर रात तक चला जिसमें भगवान महावीर के एक से बढकर एक गीतों की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम मे महिलाओं एवं श्रद्धालुओं ने सामुहिक नृत्य किया। कार्यक्रम का संचालन विमल पाटनी जौंला एवं पवन बोहरा ने किया। भजन संध्या में भाणजा परिवार ने सभी महिलाओं के स्वागत सत्कार कर तिलक लगाया। भजन संध्या में विशुद्ध वर्धनी महिला मण्डल, सखी महिला संगठन, धर्म प्रभावना महिला मण्डल, नसियां मंदिर महिला मण्डल, णमोकार महिला मण्डल सहित कई संगठनों ने व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान किया। **प्रेषक - विमल जौंला**

विश्व पर्यावरण दिवस पर 10 नीम वृक्षारोपण कर मोक्ष धाम डडूका पर करेगा महावीर इंटरनेशनल पर्यावरण संरक्षण अभियान का आगाज

डडूका. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा विश्व पर्यावरण पर 5जून से मोक्ष धाम डडूका पर 10नीम के पौधे लगा कर पर्यावरण संरक्षण अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। हर पौधे को महावीर इंटरनेशनल डडूका के तीन तीन सदस्यों द्वारा गोद ले कर उन्हें पानी पिलाने, सुरक्षा देने ओर पौधे से पेड़ बनने तक तीन वर्ष तक देखभाल करने का संकल्प लिया जाएगा। केंद्र की जून माह की मासिक बैठक जनार्दन राय नागर के निवास पर सुंदर लाल पटेल की अध्यक्षता, मणिलाल सूत्रधार के मुख्य आतिथ्य, गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया, उपाध्यक्ष रणजीत सिंह सोलंकी तथा जीवन राम पाटीदार के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित की गई।

जैन मिलन अरिहंत भिंड द्वारा मूक पशुओं के लिए पानी की टंकियां रखवाई

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भोपाल। भीषण गर्मी को देखते हुए जैन मिलन अरिहंत भिंड द्वारा मूक पशु पक्षियों के लिए शहर में प्रमुख चार स्थानों पर पानी की टंकियां रखवाई गई कार्यक्रम संयोजक और जैन मिलन अरिहंत के अध्यक्ष अजित जैन सोनू ने बताया की पशुओं का सबसे ज्यादा जमा बड़ा सब्जी मंडी परिसर के आस-पास रहता है, मूक पशुओ पक्षियों को पानी के लिए यहां-वहां ना भटकना पड़े इसके लिए हनुमान चौराहा पुस्तक बाजार हनुमान मंदिर, आलू मंडी बंगला बाजार कॉर्नर वाटर वर्क्स, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास किरार कॉलोनी तथा लश्कर रोड पर एक-एक पानी की टंकी रखवाई गई, जिसकी स्थानीय लोगों ने तथा व्यापारियों ने प्रशंसा की तथा तथा उनके द्वारा रोज पानी भरने का आश्वासन दिया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जैन मिलन के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अतिवीर सुनील जैन मेडिकल, क्षेत्रीय उप मंत्री राकेश जैन बच्चू, जैन मिलन अरिहंत के सचिव विकास जैन, कोषाध्यक्ष अमन जैन, उदित जैन, रजत जैन पर्याय वाले, अमन जैन, रिया जैन, स्वप्निल जैन नीरज जैन, मनीष जैन, ऋषि जैन तथा अन्य स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

निशुल्क मृगी रोग शिविर में 115 रोगी हुए लाभान्वित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

गुलाबपुरा। श्री प्राज्ञ मृगी रोग निवारक समिति गुलाबपुरा द्वारा माह के प्रथम मंगलवार को आयोजित कैंप दिनाक 03.06.25. मंगलवार को संस्था परिसर में लगाया गया । संस्था के मंत्री पदम चंद खटोड़ ने बताया की कैंप में वरिष्ठ डॉक्टर आर के चंडक साहब ने अपनी सेवाए प्रदान करते हुए 115 मरीजों को जिनमे 12 नए मरीज थे, सेवा प्रदान की एवम निशुल्क दवा का वितरण किया गया। शिविर में अनिल चौधरी ने मरीजों को मृगी रोग से बचाव व योगा के बारे में विस्तार से समझाते हुए इसके नियमित रूप से करने पर जोर दिया। लालचंद खटोड़, राजेंद्र खटोड़, विनोद खटोड़, अजित नाहर ने सभी मरीजों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुभकामना देते हुए संस्था के कार्यों की सराहना की। मंत्री पदमचंद खटोड़ ने संस्था की गतिविधियों के बारे में एवं अध्यक्ष घेवर चंद श्रीश्रीमाल ने लाभार्थी परिवारों का स्वागत अभिनंदन किया। कोषाध्यक्ष राजेन्द्र चोरड़िया ने आभार व्यक्त किया। शिविर के लाभार्थी बड़ी

माताजी स्वर्गीय अनोप देवी धर्मपत्नी फतहलाल खटोड़ की पुण्य स्मृति में विनोद कुमार, सम्पत राज, राकेश कुमार, राहुल, अंकित ,अंश खटोड़ परिवार सरेरीबांध, एवं लक्ष्मीलाल, राजेन्द्र कुमार, कुलदीप कुमार, संदीप कुमार, अजय कुमार खटोड़ परिवार सरेरीबांध रहे। शिविर में आए हुए मरीजों एवं उनके परिजनों हेतु पूरे जून माह की सभी कैंपों की निशुल्क भोजन की सेवा श्री नाकोडा कार बाजार गुलाबपुरा सम्पत राज , अजित नाहर एवं बस्तीराम मिठाई वाले गुलाबपुरा की ओर से रखी गई जिसमें 225 से अधिक व्यक्तियों ने लाभ उठाया। संस्था के मदन लाल लोढ़ा, मूल चंद नाबेडा, देवकरण कोठारी, पारस बाबेल, सुरेश लोढ़ा, श्याम डोसी, मदन लाल रांका, सुशील चौधरी, प्रेम पाडलेचा, दिनेश जोशी, दिलीप पाराशर, विनीत डांगी, गौतम आंचलिया, फतह लाल कांठेड़, विपिन मेहता, अनिता रांका, शशि चपलोत, सहित गणमान्य व्यक्तियो ने सेवाएं प्रदान की। शिविर का संचालन अनिल चौधरी ने किया।